

15. पृथ्वी का मध्य भाग 16. लंकद्वीप की एक नदी 17. अपराजिता स्त्री (तत्.) वह कन्या जिसका विवाह न हुआ हो।

**कुमारीपुत्र** पुं. (तत्.) 1. कुमारी से उत्पन्न पुत्र 2. कर्ण का नाम।

**कुमारीपूजन** पुं. (तत्.) एक प्रकार की पूजा जो देवीपूजन के समय होती है और जिससे कुमारी बालिकाओं का पूजन करके उन्हें मिष्टान्न खिलाया जाता है।

**कुमार्ग** पुं. (तत्.) 1. बुरा मार्ग 2. अधर्म।

**कुमार्गगामी** पुं. (तत्.) 1. कुपंथी 2. अधर्मी।

**कुमार्गी वि.** (तत्.) 1. बदचलन, कुचाली 2. अधर्मी, धर्महीन।

**कुमुद** पुं. (तत्.) 1. कुई 2. लाल कमल 3. निर्दय, बेरहम 4. कंजूस 5. चांदी 6. विष्णु 7. एक बंदर का नाम जो रावण से लड़ा था 8. एक प्रकार का दैत्य 9. एक द्वीप का नाम 10. एक नाग का नाम, इसकी बहन कुमुदवती कुश की पत्नी थी 11. आठ दिग्गजों में से एक जो दक्षिण पश्चिम कोण में रहता है 12. विष्णु का एक पार्षद 13. संगीत का एक ताल 14. एक केतु तारा जो कुई के आकार का है टि. यह पश्चिम में उदय होता है और एक ही रात को दिखाई देता है इसकी शिखा पूर्व की ओर होती है, कहते हैं उसके उदय होने पर दस वर्ष तक अकाल पड़ता है।

**कुमुदकला** स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रकला, चाँदनी 2. ज्योत्स्ना।

**कुमुदकिरण** स्त्री. (तत्.) चंद्रमा की किरण।

**कुमुदबंधु** पुं. (तत्.) चंद्रमा पर्या. कुमुदनाथ, कुमुदपति, कुमुदबांधव।

**कुमुदिनी** स्त्री. (तत्.) 1. कुई 2. वह स्थान जहाँ कुमुद हो।

**कुमुदिनीपति** पुं. (तत्.) चंद्रमा।

**कुमुदवती** स्त्री. (तत्.) 1. षड्ज स्वर की चार श्रुतियों में से दूसरी श्रुति 2. नागराज कुमुद की बहन और कुश की स्त्री 3. कुमुद से पूर्ण बाबड़ी।

**कुमेरु** पुं. (तत्.) दक्षिणी ध्रुव।

**कुम्हड़ा** पुं. (तद्.) 1. फैलनेवाली बेल जिसके फलों की तरकारी और मुरब्बा, पाक आदि बनाए जाते हैं पर्या. काशीफल, पेठा मुहा. कुम्हड़ बतिया-कुम्हड़े का छोटा फल, अशक्त और निर्बल मनुष्य।

**कुम्हड़ौरी** स्त्री. (देश.) एक प्रकार की बरी, जो उड़द की दाली की पीठी में कुम्हड़े के महीन टुकड़े मिलाकर बनाई जाती है।

**कुम्हरौटी** स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की काली मिट्टी जिससे कुम्हार लोग घड़े आदि बनाते हैं, जटाव 2. कुम्हारों की बस्ती।

**कुम्हलाना** अ.क्रि. (तद्.) 1. ताजगी का जाता रहना, सरसता और हरापन न रहना, मुरझाना जैसे- फूल पत्ते आदि का कुम्हलाना 2. सूखने पर होना 3. प्रफुल्लता रहित होना, प्रभावहीन होना जैसे- धूप के कारण चेहरा कुम्हला गया।

**कुम्हार** पुं. (तद्.) 1. मिट्टी का बरतन बनाने वाला 2. मिट्टी का बरतन बनाने वाली एक जाति।

**कुम्हिलाना** क्रि.अ. (तत्.) दे. कुम्हलाना।

**कुरंग** पुं. (तत्.) 1. बादामी या तामड़े के रंग का हिरण 2. मृग, हिरण 3. बरवै छंद का एक नाम 4. चंद्रमा का धब्बा 5. बुरा रंग ढंग, बुरा, लक्षण 6. घोड़े का एक रंग जो लोहे के समान होता है, नीला, कुम्भैत, लखौरी 7. इस रंग का घोड़ा।

**कुरंगनयना** वि. (तत्.) (स्त्री.) हिरण की आँखों के समान बड़ी-बड़ी आँखवाली पर्या. कुरंगनयनी, कुरंगलोचना।

**कुरंगलांछन** पुं. (तत्.) चंद्रमा।

**कुरंगसार** पुं. (तत्.) कस्तूरी, मुश्क।

**कुरंगी** वि. (तत्.) बुरे लक्षणवाला, भट्टे रंग वाला।

**कुरंगी** स्त्री. (तत्.) हरिणी, मृगी।

**कुरंड** पुं. (तत्.) 1. कुलक्षणी चमकीला एक प्रकार का कड़ा खनिज पदार्थ 2. मानिकरेत एक प्रकार का रत्न जो रंग के अनुसार मानिक (लाल) नीलम पुखराज, गोमेद आदि कहलाता है 3. अंडवृद्धि का एक रोग।